मकर राशि

जनवरी

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य सुख अनुकूल रहेगा। शारीरिक प्रत्येक अंग स्वस्थ, सुदृढ़ तथा रोग रहित रहेंगे। पाचन क्रिया में किसी प्रकार का विकार नहीं रहेगा। रस-रक्त-मज्जा में वृद्धि होगी। समस्त अस्थि भागों में सबलता आयेगी। कुछ विपरीत ग्रहों के कारण नेत्रों की ज्योति में कमी पायी जायेगी। कभी-कभी पित्त की प्रबलता के कारण आंशिक क्लेश की अनुभूति होगी। कभी-कभी छोटे व्रण तथा फुन्सियों से पीड़ित रहेंगे, किन्तु बिना औषधि के रोगों का नाश करने में सक्षम रहेंगे। मुखमण्डल की आभा चमकती दिखाई देगी।

आर्थिक स्थिति- आय के साधन मजबूत होंगे, किन्तु बीच-बीच में आर्थिक क्षति भी सम्भव है। पारिवारिक एवं जीवनसाथी के रोगों के साथ-साथ आकस्मिक घटनाओं में विशेष धन का व्यय होगा। आर्थिक स्थिति में उन्नति की दशा तो चलेगी, परन्तु व्यय की अधिकता के कारण धन संचय में बाधाओं का सामना करना पड़ेगा जिससे शारीरिक और मानसिक कमजोरी का अनुभव करेंगे।

पारिवारिक स्थिति- पारिवारिक स्थिति सन्तोषजनक नहीं रहेगी। परिवार में धन की अधिकता तो रहेगी, किन्तु रोगों की अधिकता के कारण लोग उन्मत्त दिखाई देंगे। परिवार में यदि किसी जातक को रोग हुआ हो तो आसानी से रोग का निदान नहीं हो पायेगी। पारिवारिक जनों में स्वार्थ की भावना अधिक रहेगी। सामंजस्य का अभाव रहेगा। बीच-बीच में अप्रिय घटनाओं के कारण आर्थिक तथा पारिवारिक क्षति होगी। शत्रु का प्रभाव पूरे पारिवारिक जनों को प्रभावित करेगा। शत्रु द्वारा अपयश तथा मिथ्या कलंक के भागी समस्त पारिवारिक जन होंगे, जिसके फलस्वरूप सामाजिक निन्दा के पात्र बनेंगे। शत्रु द्वारा कोई षड्यन्त्र रचा जायेगा, इसलिए शत्रु से सतर्कता रखेंगे तो कल्याण ही होगा।

अध्ययन- अध्ययन-अध्यापन के लिए यह मास अति उत्तम रहेगा। विशेषकर देववाणी भाषा का अध्ययन करके ज्ञान प्राप्त करेंगे। दूसरों को उपदेश के माध्यम से ज्ञानवान बनाना मुख्य उद्देश्य समझेंगे।

फरवरी

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य उत्तम ही रहेगा। रोगों का विनाश होगा। शारीरिक सुन्दरता में वृद्धि होगी।

मित्र- मित्रों के दर्शन से अति प्रसन्नता होगी। मित्रों के साथ भ्रमण करेंगे। मित्रों से धन लाभ भी सम्भव है।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। अर्थागम में धीरे-धीरे सफलता प्राप्त होगी। धन के कारण किसी प्रकार की बाधा नहीं आयेगी।

प्रतिष्ठा- उत्तम यश तथा मान-प्रतिष्ठा मिलेगी। सामाजिक तथा पारिवारिक जनों में पूजनीय रहेंगे। मान-प्रतिष्ठा में विशिष्टता आयेगी।

आहार- समुचित तथा स्वानुकूल आहार मिलने से मानसिक तथा शारीरिक सुखों का अनुभव करेंगे।

अध्ययन- अध्ययन-अध्यापन के लिए यह मास उत्तम रहेगा। अंग्रेजी, ज्योतिष तथा शास्त्रों के अध्ययन में विशेष रुचि रहेगी।

जीवनसाथी- जीवनसाथी का स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। दाम्पत्य जीवन में मधुरता तथा सामंजस्य की उत्तम स्थिति बनेगी।

सन्तान- सन्तान पक्ष से कुछ निराशा रहेगी, किन्तु सन्तानों का भविष्य उज्ज्वल रहेगा। माता-पिता के भक्ति तथा सेवा धर्म में निपुणता दिखाएंगे।

मार्च

स्वास्थ्य- शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम ही रहेगा। रोग नहीं रहेगा। तेज, कान्ति तथा शक्ति में वृद्धि की दशा चल रही है।

मित्र- सहसा मित्रों के दर्शन से प्रसन्नता होगी। मित्रों से शारीरिक और आर्थिक योगदान सम्भव है।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति उत्तम रहेगी। वाहन, भवन तथा समस्त भौतिक सुखों का भरपूर लाभ लेंगे।

प्रतिष्ठा- मान-प्रतिष्ठा के लिए समय अच्छा रहेगा। उत्तम मान-प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी।

आहार- समुचित तथा स्वानुकूल आहार मिलने से मानसिक तथा शारीरिक सुखों का अनुभव करेंगे।

अध्ययन- अध्ययन-अध्यापन के लिए यह मास उत्तम रहेगा। अध्ययन-अध्यापन में रुचि रखेंगे।

जीवनसाथी- जीवनसाथी का स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। दाम्पत्य जीवन में प्रेम में वृद्धि रहेगी।

सन्तान- सन्तानों में उत्तम योग्यता रहेगी। माता-पिता की सेवा में तत्पर रहेंगे।

अप्रैल

स्वास्थ्य- शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा। पित्त की अधिकता रहेगी। अधिकाधिक जल ग्रहण करने पर भी प्यास की शान्ति नहीं होगी।

मित्र- मित्रों के दर्शन से प्रसन्नता होगी। मित्रों के साथ भ्रमण तथा उत्तम आहार सुख प्राप्त करेंगे।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति उत्तम रहेगी। सम्पन्नता के कारण समस्त भौतिक सुखों का भरपूर लाभ लेंगे।

प्रतिष्ठा- मान-प्रतिष्ठा के लिए समय अच्छा रहेगा। उत्तम मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

आहार- समुचित तथा स्वानुकूल आहार मिलने से मानसिक तथा शारीरिक सन्तुष्टि का अनुभव करेंगे।

अध्ययन- अध्ययन-अध्यापन के लिए यह मास भी उत्तम ही रहेगा। बुद्धि की प्रखरता एवं स्मरण शक्ति के द्वारा शास्त्रों के ज्ञान में रत रहेंगे। आत्म ज्ञान की भी प्राप्ति होगी।

जीवनसाथी- जीवनसाथी का स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। उसके कृत्यों से पारिवारिक जनों को प्रसन्नता मिलेगी। परस्पर प्रेम में वृद्धि एवं मधुरता रहेगी।

सन्तान- सन्तानों में विवेक बढ़ेंगे। सन्तान आचार-विचार तथा सदाचार में अग्रगामी रहेंगे। माता-पिता को सन्तुष्ट करने में समर्थ रहेंगे।

मई

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य में कुछ कमी रहेगी। वात-कफ तथा उष्णता की मात्रा अधिक रहेगी। शारीरिक कृशता का अनुभव करेंगे।

मित्र- मित्रों की संख्या में वृद्धि होगी, किन्तु लाभ नहीं होगा। मित्रों के स्वागत में धन अधिक व्यय हो जाने से दुःखी रहेंगे।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति में मजबूती आयेगी। भूमि के क्रय-विक्रय का सौभाग्य प्राप्त करके प्रसन्नचित्त रहेंगे।

प्रतिष्ठा- मान-प्रतिष्ठा के लिए समय अच्छा रहेगा। मान-प्रतिष्ठा में उत्तरोत्तर वृद्धि होगी। लोगों द्वारा सम्मान की दृष्टि से देखे जायेंगे।

आहार- ऋतु तथा मन के अनुकूल आहार ग्रहण करके मानसिक तथा शारीरिक सन्तुष्टि का अनुभव करेंगे।

अध्ययन- अध्ययन-अध्यापन के लिए यह मास भी उत्तम ही रहेगा। संगीत विद्या के प्रति विशेष आकर्षण रहेगा।

जीवनसाथी- जीवनसाथी का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। नियम-संयम तथा योगासन द्वारा रोगों की शान्ति करने में सफलता प्राप्ति होगी।

सन्तान- सन्तानों में सात्विकता तथा संस्कार की भावना रहेगी। ईश्वर के प्रति विशेष झुकाव रखेंगे। सत्य पथ पर चलने के लिए अग्रसर रहेंगे।

जून

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य सुख अति उत्तम रहेगा। नियम-संयम तथा औषधियों द्वारा रोगों की शान्ति होगी।

मित्र- सहसा मित्रों के साथ रुझान की स्थिति आयेगी। मित्रों के साथ मैत्री सम्बन्ध में पृथकता जनक स्थिति आयेगी।

आर्थिक स्थिति- इस माह में भी आर्थिक स्थिति में मजबूती आयेगी। अर्थ के प्रति किए गये समस्त कार्यों में विकास होगा।

प्रतिष्ठा- मान-प्रतिष्ठा के लिए समय अच्छा नहीं रहेगा। मान-प्रतिष्ठा में कमी आयेगी। असत्य भाषण तथा कटु वचनों के कारण लोगों द्वारा अपमानित होंगे और अपयश के भागी बनेंगे।

आहार- समुचित तथा स्वानुकूल आहार ही मिलने से मानसिक तथा शारीरिक सन्तुष्टि का अनुभव करेंगे तथा आत्मबल में वृद्धि होगी।

अध्ययन- अध्ययन-अध्यापन के लिए यह मास भी उत्तम ही रहेगा। सतत् कुछ न कुछ अध्ययन की प्रवृत्ति रहेगी।

जीवनसाथी- जीवनसाथी के स्वास्थ्य में सुधार रहेगा। दाम्पत्य जीवन में स्नेह तथा सामंजस्य रहेगा।

सन्तान- सन्तान पक्ष उत्तम सुख की अनुभूति होगी। उनकी यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी, जिससे माता-पिता को आत्मसन्तुष्टि मिलेगी।

जुलाई

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य सुख उत्तम रहेगा। शारीरिक सौन्दर्यता में वृद्धि होगी।

मित्र- मित्रता में प्रगाढ़ता आयेगी और उसमें स्थिरता रहेगी। मित्रों से धनलाभ अधिक होगा।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति सन्तोषजनक रहेगी। अर्थागम के कारण भरण-पोषण करने में समर्थ रहेंगे।

प्रतिष्ठा- मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सदाचार के द्वारा सर्वत्र प्रतिष्ठा के भागी बनेंगे।

आहार- ऋतु तथा मन के अनुकूल आहार ग्रहण करके मानसिक तथा शारीरिक सन्तुष्टि का अनुभव करेंगे।

अध्ययन- अध्ययन-अध्यापन के प्रति रुचि रहेगी। कायिक-वाचिक-मानसिक तीनों प्रकार से अध्ययन में रत रहेंगे।

जीवनसाथी- जीवनसाथी की आरोग्यता में सुधार की स्थिति रहेगी। दाम्पत्य जीवन में सामंजस्य बना रहेगा।

सन्तान- सन्तानों में आलस्य तथा प्रमाद की स्थिति आयेगी। माता-पिता की आज्ञाओं को अस्वीकार करेंगे।

अगस्त

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा। कब्ज की शिकायत बनी रहेगी। वायु तथा रक्त विकार के कारण व्रण तथा फुंसियों से पीड़ित रहेंगे।

मित्र- मित्रों के साथ अच्छे सम्बन्ध बनेंगे। मित्रों में मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। मित्रों से लाभ भी होंगे। मित्रों के साथ प्रत्युपकार की भावना जागृत होगी।

आर्थिक स्थिति- इस माह में आर्थिक स्थिति में मजबूती आयेगी। धन की क्षति नहीं होगी। अर्थ के प्रति किए गये समस्त प्रयोजनों में धीरे-धीरे सफलता प्राप्त करेंगे।

प्रतिष्ठा- मान-प्रतिष्ठा के लिए समय अच्छा रहेगा। परिवार तथा समाज के द्वारा अच्छी प्रतिष्ठा होगी।

आहार- स्वास्थ्य एवं पुष्टिवर्धक तथा स्वानुकूल आहार मिलने से मानसिक तथा शारीरिक सन्तुष्टि का अनुभव करेंगे।

अध्ययन- अध्ययन-अध्यापन के लिए यह मास भी उत्तम ही रहेगा। अधिक से अधिक ज्ञानार्जन करके मान-प्रतिष्ठा तथा यश के क्षेत्र में सराहना के प्राप्त बनेंगे।

जीवनसाथी- जीवनसाथी के साथ अच्छे सम्बन्ध रहेंगे। जीवनसाथी का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। परस्पर प्रेम में वृद्धि होगी।

सन्तान- सन्तानों का भाग्य उदय होगा। बुद्धि-परिश्रम तथा यथाचित कर्मों द्वारा निहित लक्ष्यों की प्राप्ति करने में सफल होंगे।

सितम्बर

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य सुख अति उत्तम रहेगा। शारीरिक सौन्दर्यता में वृद्धि होगी। अस्थियों में सबलता व शारीरिक स्थूलता में वृद्धि होगी।

मित्र- मित्रों के दर्शन से प्रसन्नता होगी। मित्रों के साथ सहचर्य तथा सत्संग में सफलता प्राप्त कर कृतार्थ होंगे।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति सुदृढ़ तथा स्वानुकूल ही रहेगी। धन की अधिकता के कारण समस्त भौतिक सुखों की प्राप्ति सम्भव रहेगी।

प्रतिष्ठा- मान-प्रतिष्ठा भंग होने की सम्भावना रहेगी। किसी प्रकार के दोषारोपण तथा मिथ्या कलंक से प्रभावित होंगे।

आहार- सात्विक तथा मनोनुकूल आहार के कारण मानसिक प्रसन्नता बढ़ेगी।

अध्ययन- अनेकानेक विषयों के अध्ययन में रुचि रखेंगे। दूसरों को अध्ययन का उपदेश देकर शिक्षित बनाने में सौभाग्य समझेंगे।

जीवनसाथी- जीवनसाथी का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। परस्पर स्नेह तथा सामंजस्य में वृद्धि होगी।

सन्तान- सन्तानों में अकर्मण्यता आयेगी। आलस्य तथा तन्द्रा के कारण निष्क्रिय बने रहेंगे। माता-पिता से वैचारिक मतभेद रहेगा।

अक्टूबर

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य निखार आयेगा। रोगों की शान्ति होगी। शरीर में स्फूर्ति रहेगी जिससे समस्त कार्यों को सुचारू रूप से करने में सक्रिय रहेंगे।

मित्र- मित्रों की प्रसन्नता के कारण प्रसन्न रहेंगे। मित्रों के सहयोग तथा विवेक द्वारा अभिलाषित प्रयोजनों की पूर्ति करने में दक्षता का परिचय देंगे।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति उत्तम रहेगी, इसमें कोई बाधा नहीं आयेगी। धन की अधिकता के कारण समस्त प्रयोजनों को सिद्ध करके उत्तम ख्याति प्राप्त करेंगे।

प्रतिष्ठा- मान-प्रतिष्ठा में अल्पेतर वृद्धि होगी। उत्तम प्रभुता को भी प्राप्त करके लघुजनों से पृथक नहीं रहेंगे। जिससे सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ती ही रहेगी।

आहार- आहार की उत्तम शुद्धि द्वारा रोगों का शमन करके शारीरिक सुख प्राप्त करेंगे।

अध्ययन- अध्ययन-अध्यापन के कार्यों में प्रसन्नता रहेगी।

जीवनसाथी- जीवनसाथी का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। परस्पर प्रेम में स्थिरता आयेगी। उत्तम गृहिणी के रूप में परिवार में पूजा होगी।

सन्तान- सन्तानों में धर्म की प्रधानता रहेगी। संस्कारमय जीवन व्यतीत करेंगे।

नवम्बर

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य सुख अच्छा रहेगा। पित्त की अधिकता में कमी आयेगी। औषधियों के सेवन से मुक्ति मिलेगी।

मित्र- मित्रों की अधिकता से अति प्रसन्नता होगी। मित्रों के स्वागत हेतु व्यय भार बढ़ेगा, किन्तु मानसिक सन्तुष्टि मिलेगी।

प्रतिष्ठा- मान-प्रतिष्ठा के लिए समय अच्छा रहेगा। परिवार तथा समाज के द्वारा अच्छी प्रतिष्ठा होगी।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति उत्तम रहेगी। धन की अधिकता के कारण समस्त प्रयोजनों को सिद्ध करके उत्तम ख्याति प्राप्त करेंगे और समस्त भौतिक सुखों की प्राप्ति सम्भव रहेगी।

आहार- आहार अनुकूल ही मिलेगा, यदि मन के विपरीत आहार मिला तो उसका त्याग कर देंगे।

अध्ययन- अध्ययन-अध्यापन के लिए यह मास अच्छा रहेगा। अध्ययन-अध्यापन के कार्यों में प्रसन्नता रहेगी। किसी भी विषय के अध्ययन में परिश्रम के द्वारा ज्ञानार्जन करेंगे।

जीवनसाथी- जीवनसाथी का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। परस्पर प्रेम में स्थिरता आयेगी। नियमित आहार-विहार से रोगों पर नियन्त्रण रखने में सक्रिय रहेंगे। शारीरिक भार में वृद्धि होगी।

सन्तान- सन्तानों में जागरुकता एवं सक्रियता रहेगी। अपने बाहुबल, परिश्रम एवं कर्मों द्वारा भविष्य के प्रति प्रगति करेंगे।

दिसम्बर

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य में आंशिक कमी रहेगी। हानिकारक पदार्थों के सेवन से रोगों में वृद्धि होगी। वात-पित्त की अधिकता से जोड़ों में दर्द तथा बार-बार जल ग्रहण करने की इच्छा बनी रहेगी। कुछ अंशों में वमन की समस्या भी हो सकती है।

मित्र- मित्रों के आगमन और दर्शन से मन मुदित रहेगा। मित्रों में न्याय तथा धर्म की प्रधानता रहेगी। मित्रों की सहायता कर पुनः उनसे धन भी प्राप्त करेंगे। मित्रों में सम्मान पायेंगे जिससे सामाजिक प्रतिष्ठा भी बढ़ेगी।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति में मजबूती रहेगी। अर्थ बल द्वारा पुत्रों को शिक्षित करने में विशेष सक्रिय रहेंगे। उत्तम अर्थागम के कारण पारिवारिक भरण-पोषण करने में समर्थ रहेंगे।

प्रतिष्ठा- जन्मराशि एवं गोचरस्थ ग्रहों के आधार पर समाज में उत्तम मान-प्रतिष्ठा-यश की प्राप्ति होगी। सन्तानों एवं जीवनसाथी द्वारा सम्मान की दृष्टि से देखे जाएंगे और सामाजिक-पारिवारिक प्रतिष्ठा में कोई कमी नहीं आयेगी।

आहार- उत्तम आहारों से आत्मसन्तुष्टि मिलेगी। सात्विक एवं बलवर्धक आहारों के सेवन का सौभाग्य प्राप्त होगा, जिससे तन-मन प्रसन्नचित्त रहेगा।

अध्ययन- अध्ययन-अध्यापन के लिए यह मास अच्छा रहेगा। अध्ययन-अध्यापन के कार्यों में प्रसन्नता रहेगी।

जीवनसाथी- जीवनसाथी को कुछ शारीरिक विकार रहेगा। वायुविकार एवं मन्दाग्नि के कारण उदर पीड़ा से प्रभावित रहेगी। कमर तथा मासिक धर्म में गड़बड़ी रहेगी, किन्तु परस्पर प्रेम में कमी नहीं रहेगी।

सन्तान- सन्तानों की प्रतिभा तथा बुद्धि की सराहना से मानसिक सन्तुष्टि होगी। माता-पिता की आज्ञाओं का पालन करेंगे। अपने कर्मों द्वारा लक्ष्य की प्राप्ति करने में सफल रहेंगे।

सावधानियाँ एवं उपाय

१. कब्जकारक पदार्थों का सेवन न करें।

२. आवश्यकता से अधिक परिश्रम न करें और न ही विशेष रात्रि जागरण करें।

३. क्रोध पर नियन्त्रण रखें और चंचलता का परित्याग करें।

सूर्य की शान्ति के लिए- १. "**ऊँ ह्रीं ह्रौं सः सूर्याय नमः**" मन्त्र का जप कम से एक माला अवश्य करें और रविवार के दिन मदार की लकड़ी से इसी मंत्र से १०८ बार हवन करें।

२. पिता एवं पिता तुल्य लोगों का सममान करें।

३. रविवार के दिन सूर्य नारायण को गाय के दूध तथा लाल फूल का अर्घ्य दें, पित्त की अधिकता दूर होगी और सूर्य अनुकूल होंगे।

राहु व शनि की शान्ति के लिए- १. सात मुखी रुद्राक्ष काले धागे में और आठ मुखी रुद्राक्ष नीले धागे में गले में धारण करें।